"प्राथमिक शिक्षा के गुणात्मक सुधार हेतु आयोजित स्मार्ट पी.टी. शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का अध्ययन"

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय–भोपाल की एम.एड.
(प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध–प्रबंध

2005–2006

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT

मार्गदर्शक
श्री आनंद वाल्मिकी
व्याख्याता
शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
भोपाल

शोधकर्ता
अतुल ज्ञानेश्वर वाघमारे
एम.एड. छात्र

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, (N.C.E.R.T.) श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

20 : 2 6

'प्राथमिक शिक्षा के गुणात्मक सुधार हेतु आयोजित स्मार्ट पी.टी. शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का अध्ययन'

D-221

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय–भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध–प्रबंध

2005–2006

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT

मार्गदर्शक
श्री आनंद वाल्मिकी
व्याख्याता
शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
भोपाल

शोधकर्ता
अतुल ज्ञानेश्वर वाघमारे
एम.एड. छात्र

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, (N.C.E.R.T.) श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **अतुल ज्ञानेश्वर वाघमारे** जो की क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, श्यामला हिल्स भोपाल में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत हैं, ने एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु लघु शोध प्रबंध कार्य **"प्राथमिक शिक्षा के गुणात्मक सुधार हेतु आयोजित स्मार्ट पी.टी. शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में विधिवत पूर्ण किया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध कार्य पूर्णतया मौलिक है, जिसे मेहनत, ईमानदारी तथा पूर्ण निष्ठा से किया गया है एवं पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की सत्र 2005–2006 की एम.एड. शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत करने में उपयुक्त तथा सक्षम है।

स्थान– भोपाल

दिनांक– 03-04-2006

मार्गदर्शक

श्री आनंद वाल्मिकी
व्याख्याता
शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
एन. सी. ई. आर. टी.
भोपाल

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध **"प्राथमिक शिक्षा के गुणात्मक सुधार हेतु आयोजित स्मार्ट पी.टी. शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का अध्ययन"** की संपन्नता का संपूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक श्रद्धेय श्री आनंद वाल्मिकी सर, व्याख्याता क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को है, जिन्होंने निरंतर उचित परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा अनवरत् प्रोत्साहन देकर शोध कार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध, आपके द्वारा शोध कार्य में धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्य पूर्ण सहयोग का प्रतिफल है, जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है, अतएव मैं उनका ऋणी हूँ।

मैं, आदरणीय प्राध्यापक डॉ. एम. सेन गुप्त, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल तथा डॉ. व्ही.जी. जाधव, अधिष्ठाता तथा डॉ. एस. के. गुप्ता, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे शोधकार्य की सम्पन्नता में मौलिक सहयोग प्रदान किया है।

मैं, डॉ. खेमराज शर्मा, डॉ. बी. रमेश बाबू, डॉ. यु. लक्ष्मीनारायण, डॉ. इंद्रानी भादुड़ी, डॉ. रत्नमाला आर्या, प्रो. संजय पंडागले, डॉ. सुनीती खरे एवं उन समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने समय–समय पर उचित मार्गदर्शन करके, मेरे इस शोधकार्य में सहयोग दिया है।

मैं, पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का हृदय से आभारी हूँ ।

मैं, प्रारंभिक विद्यालय के शिक्षकों का आभारी हूँ, जिन्होंने प्रदत्तों के संकलन में अथक सहयोग दिया।

मैं, अपनी माता आदरणीय श्रीमती मन्दा वाघमारे तथा पिता आदरणीय श्री ज्ञानेश्वर वाघमारे, कनष्ठि भाई प्रफुल वाघमारे तथा बहन योगीनी वाघमारे तथा परिवार के शुभचिन्तकों का जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगा, जिन्होंने मेरे अध्ययन में महत्वकाँक्षा की पूर्ति हेतु तन–मन–धन से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया है।

मैं, एम.एड. के समस्त सहपाठियों का शोधकार्य के दौरान प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग के लिए आभारी हूँ ।

अंत में मैं, शोध कार्य से संदर्भित विविध चरणों में शोधकार्य में जिन्होंने किसी न किसी रूप में सहयोग प्रदान किया है, उन सभी का सच्चे मन, तथा हृदय से आभारी रहूँगा।

स्थान – भोपाल
दिनांक – 03-04-2006

03-04-2006
अतुल ज्ञानेश्वर वाघमारे
एम. एड. प्रशिक्षणार्थी
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल (म.प्र.)

अनुक्रमणिका

अध्याय		पृष्ठ संख्या
प्रथम– शोध परिचय		
1.1.0	प्रस्तावना	1
1.2.0	प्राथमिक शिक्षा	1
1.2.1	सार्वभौमिक पहुंच	3
1.2.2'	सार्वभौमिक नामांकन	3
1.2.3	सार्वभौमिक धारणा	5
1.2.4	सार्वभौमिक उपलब्धि	6
1.3.0	प्राथमिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार	6
1.4.0	अध्यापकों का सेवारत प्रशिक्षण (PMOST, SOPT)	9
1.5.0	स्पेशिएल ओरिएन्टटेशन प्रोग्राम फॉर प्राइमरी टीचर	10
1.5.1	न्यूनतम अधिगम स्तर (Minimum Learning Level)	11
1.5.2	ऑपरेशन ब्लेक बोर्ड (Operation Black Board)	13
1.5.3	बालक केन्द्रीत शिक्षा (Child-Centred Education)	14
1.5.4	क्रिया–आधारीत अध्यापन (Activity-Based Teaching)	15
1.6.0	स्टेटवाईड मैसिव एण्ड रिगरस ट्रेनिंग फॉर प्राइमरी टीचर (स्मार्ट पी.टी.) Statewide Massive and Rigorous Training For Primary Teacher (SMART - PT)	15
1.6.1	स्मार्ट पी.टी. के अन्तर्गत क्षमताधिष्ठित पाठ्यक्रम	17

1.6.2	स्मार्ट पी.टी. शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत क्षमताधिष्ठित पाठ्यक्रम की कार्ययोजना	18
1.6.3	क्षमताधिष्ठित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विकसित की जाने वाली दस क्षमताएं	21
1.7.0	आवश्यकता एवं महत्व	32
1.8.0	समस्या कथन	33
1.9.0	शोधकार्य के उद्देश्य	33
1.10.0	परिकल्पना	34
1.11.0	अध्ययक की परिसीमाएँ	34
द्वितीय–संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन		
2.1	प्रस्तावना	36
2.2	संबंधित शोध कार्यों का पुनरावलोकन	37
तृतीय–शोध की प्रविधि		
3.1.0	भूमिका	46
3.2.0	प्रतिदर्श	46
3.3.0	उपकरण एवं तकनीकी	49
3.3.1	प्रश्नावली	49
3.3.2	अवलोकन अनुसूची (Observation Schedule)	50
3.4.0	जांच परिक्षण	53
3.4.1	प्रश्नावली	53
3.4.2	अवलोकन अनुसूची	53

3.5.0	प्रदत्तों का संकलन	54
3.6.0	प्रदत्तों का सारणीयन	54
चतुर्थ–प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या		
4.1.0	प्रदत्तों का विश्लेषण परिणाम एवं व्याख्या (प्रश्नावली के आधार पर)	55
4.1.1	प्रशिक्षण के दौरान पढ़ाये जाने वाले शालेय विषय	55
4.1.2	प्रशिक्षण के दौरान कराये जाने वाले प्रायोगिक कार्य	56
4.1.3	स्मार्ट पी.टी. प्रशिक्षण के दौरान शालेय विषयों पर प्रशिक्षण	57
4.1.4	कक्षा शिक्षण हेतु विधियों का प्रशिक्षण	58
4.1.5	सहायक शिक्षण सामग्री निर्माण	59
4.1.6	दक्षता आधारित (क्षमताधिष्ठित) शिक्षण विधि का प्रशिक्षण	60
4.1.7	स्थानीय सामग्री के उपयोग हेतु प्रशिक्षण	61
4.1.8	कक्षा व्यवस्था व विद्यालय प्रबंध हेतु प्रशिक्षण	62
4.1.9	नियोजन कार्य	63
4.1.10	बच्चों के मनोवैज्ञानिक से संबंधित प्रशिक्षण	64
4.1.11	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के संबंध में प्रशिक्षण	64
4.1.12	पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं का आयोजन	65
4.1.13	मूल्यांकन हेतु प्रशिक्षण	65
4.1.14	शिक्षा के सर्वव्यापीकरण हेतु प्रशिक्षण	66

4.1.15	बालिका शिक्षा एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सार्वभौमिक नामांकन हेतु प्रशिक्षण	66
4.1.16	प्राथमिक शिक्षा के सुधार हेतु उपाय	66
4.1.17	प्राप्त विधियों को लागू करने में आनेवाली समस्याएं	67
4.1.18	प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में प्राथमिक शिक्षकों के विचार	68
4.2.0	प्रदत्तों का विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या (अवलोकन अनुसूची के आधार पर)	68
4.2.1	प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण	69
4.2.2	पाठ्यक्रम	69
4.2.3	मूल्यांकन	71
4.2.4	शैक्षणिक व्यवहार	71
4.2.5	शैक्षणिक उपक्रम	72
4.2.6	मूल्य शिक्षण	74
4.2.7	अभिभावकों तथा समाज से संपर्क	75
4.2.8	अध्यापकों का व्यक्तित्व	75
4.3.0	परिणाम	76
पंचम–सारांश, निष्कर्ष एवं भावी शोध हेतु सुझाव		
5.1	सारांश	81
5.2	प्रस्तुत अध्ययन	82
5.3	उद्देश्य	82

5-4	परिकल्पना	83
5.5	अध्ययन विधि एवं उपकरण	83
5.6	प्रदत्तों का विश्लेषण	84
5.7	मुख्य परिणाम	84
5.8	उपरोक्त प्रशिक्षण के प्रति प्राथमिक शिक्षकों के विचार/मत	86
5.9	समस्यायें	87
5.10	समस्याओं का निदान	87
5.11	सुझाव	87
5.12	भविष्य के लिए शोध सुझाव	88
संदर्भ ग्रंथ सूची		90
परिशिष्ट **शोध कार्य में उपकरण**		